

53/117

8528



0300 305247



विक्रय विलेख

निम्न कुल्य : रस 12,52,905/-
 बाजार मूल्य : रस 8,20,700/-
 राज्य शुल्क : रस 1,78,300/-
 परगना : मिर्जापुर

यह विक्रय विलेख श्री दीन, नौबीलाल पुत्र श्री पिलई, मन्मथ पुत्र
 बुद्ध, मेखई पुत्र झाक, निवासी - ग्राम - बसुनगर, उर्फ
 बगियामक, परगना मिर्जापुर, तहसील व जिला लखनऊ एवं जिन्हे

दि. ११ अक्टूबर
 दि. ११ अक्टूबर
 दि. ११ अक्टूबर
 दि. ११ अक्टूबर
 दि. ११ अक्टूबर

● 中国书画函授大学肇庆分校

AD3260N

2000-1-10 21:04

[illegible]

1. *Journal of the American Medical Association*, 1997; 277: 1039-1043.

www.elsevier.com/locate/jmb

2/1/20

1. संस्कृत भाषा में लिखिए।
2. संस्कृत भाषा में लिखिए।
3. संस्कृत भाषा में लिखिए।
4. संस्कृत भाषा में लिखिए।
5. संस्कृत भाषा में लिखिए।

पुत्री की लगे हुये अर्धचंद्राकार हस्त
आर्धचंद्राकार हस्त अर्धचंद्राकार
मिताली. उर्वर हस्त अर्धचंद्राकार
हस्त अर्धचंद्राकार अर्धचंद्राकार



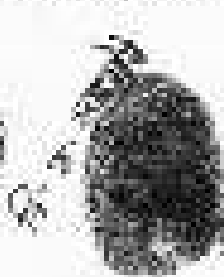
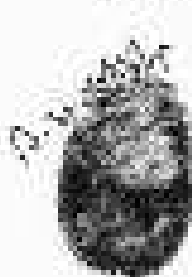
09CC 805246



-2-

आगे विक्रेतागण कहा गया है, एवम् सतान पुत्र श्री चतमान निवासी-254, चन्द्राक, अलीगंज, लखनऊ एवं स्पाई निवासी-ग्राम मिर्जापुर मिटौलिया, पोस्ट-नौगाँव, जिला-फतेहपुर ~~सातवाँ बौद्धा, बौद्धा, बौद्धा, बौद्धा~~ जिसे आगे ज्ञाता कहा गया है, को मध्य निष्पादित किया गया।

सह कि विक्रेतागण मृमि खसरा सख्या-51 स्वबा-0.553 व खसरा सख्या-76 स्वबा 0.378 हेक्टेअर, कुल सख्या 0.923 हेक्टेअर, स्थित ग्राम खुसफ नगर बगियामऊ, परगना -बिजनौर, ताहसील व जिला, लखनऊ, का मालिक, कागिल व काकिर है



भारत सरकार, नया दिल्ली

दिनांक 14-11-59

संख्या 2000

विषय -

...

1. श्री

...

श्री ...
श्री ...
श्री ...
श्री ...
श्री ...
श्री ...

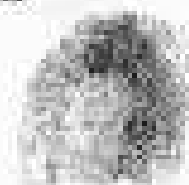
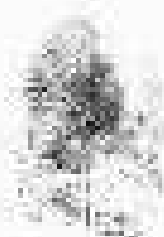
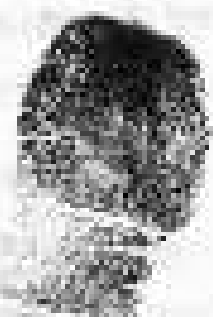
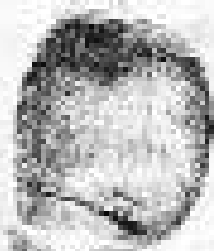
2. श्री

...

...

...

...



...

...



0300 305249

तथा उपरोक्त सत्यापित मल्लिकार्जुन खान्ना खान्नी क्रम संख्या 50 के अनुसार भूमि विक्रेतागण के नाम का अमल दस्तावेज राज्य अभिलेखों में हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा जेला को इस विवेक विवेक द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेतागण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि को गतिवत्, कर्मिल व काकिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेतागण यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं साफ व साफ है तथा विक्रेतागण ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं नव, छिन्ना, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है।





0300 305250

- 4 -

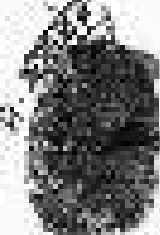
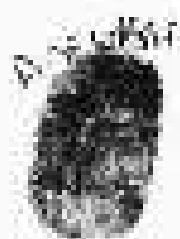
उपरोक्त भूमि का उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुका इत्यादि है। विक्रेतागण को असावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेतागण को उक्त विवादात्मक अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। असावा उपरोक्त सहमति को कलकत्ता रु० 17,32,505/- (सत्रह लाख बत्तीस हजार नौ सौ पचास रुपये) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त लेखा द्वारा विक्रेतागण की हता विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार मुगलान कर दिया गया है एवं

विक्रेतागण
 विक्रेतागण
 विक्रेतागण
 विक्रेतागण
 विक्रेतागण



0300 303251

जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागण यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार
उक्त विक्रेतागण उक्त जेता के साथ उपरोक्त वर्णित भूमि,
जिसका विवरण इस विक्रय विलेस के अन्त में अनुसूची के
अन्तर्गत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेतागण ने
विक्रयशुदा भूमि का मीचे पर कब्जा जेता को बखूबी कदा दिया
गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेतागण तथा उसके वारिदान
का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को
अपने स्वामित्व के तामस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के
लिए जेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब जेता विक्रयशुदा





03CC 305252

- 6 -

सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकाग्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व कामोपयोग करेंगे। विक्रेतागण उसमें किसी प्रकार की अड़बट नष्ट नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि निम्नलिखित सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेतागण के स्वामित्व में गिरि के कारण या कानूनी अड़बट या कानूनी गिरि के कारण जंता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के बाधे या अधिकार या स्वत्व से निकल जावे तो जंता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त मुकदमा नया

[Signature] [Signature] [Signature] [Signature] [Signature]



0300 305253

- 2 -

हजारों व लाखों, विप्रेतागण की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत बसूल कर ले। उस स्थिति में विप्रेतागण एवं उसके वारिसान हजारों व लाखों देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि कृता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दायित्व त्वादिज राज्य अभिलेखा में अपने नाम दर्ज कटा ले तो विप्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पुर्य का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विप्रेतागण भुगतान व वहन करेंगे, विप्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी।

महाराष्ट्र
गुजरात
कर्नाटक
आंध्र प्रदेश
तमिल नाडु



0000 305254



- 8 -

यह कि उपरोक्त सरकारी नम्बर ग्राम बसुन नगर
बगिचापूर, अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है
इसलिए निर्धारित सरकारी रेट रु० १,००,०००/- प्रति हेक्टेयर के
हिसाब से विज्ञात भूमि ०.९२३ हेक्टेयर की मालियत रु०
८,३०,७००/- होती है। चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य
से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु०
१,७३,३००/- जगरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि
उपरोक्त विज्ञात भूमि कृषि के उपयोग के लिए प्रयुक्त की जा रही
है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है।

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the page, including a circular stamp on the left and several handwritten notes and signatures on the right.



05AA 685587

- 9 -

तथा 200 मी० के अर्धव्यास से कोई निर्माण नहीं है। विक्रीत भूमि दिल्ली लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण व खेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त ऋण खेता द्वारा वहन किया गया है।

परिशिष्ट : विवरण विक्रयशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा संख्या-51 रकबा-0.553 व खसरा संख्या-76 रकबा 0.378 हेक्टेयर, मूल रकबा 0.923 हेक्टेयर,



₹ 1000 1000Rs.



- 10 -

स्थित ग्राम यूसुफ नगर गंगोलायक, परगना - गिजनीर, तहसील व
जिला, लखनऊ, जिसकी चौहद्दी निम्न है।

खसरा न० 51 एकता 0.553 हेक्टेयर

पुर्व	: खसरा संख्या-57, 71
पश्चिम	: खसरा संख्या-52
उत्तर	: खसरा संख्या-76
दक्षिण	: खसरा संख्या-50, 52, 55



1000Rs



- 11 -

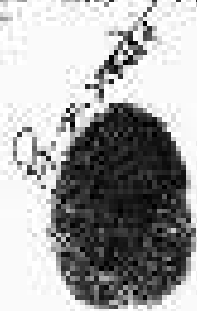
खसरा नं 76 एका 0.370 हेक्टर

पुर्व	: खसरा संख्या-71
पश्चिम	: खसरा संख्या-52
उत्तर	: खसरा संख्या-77
दक्षिण	: खसरा संख्या-51

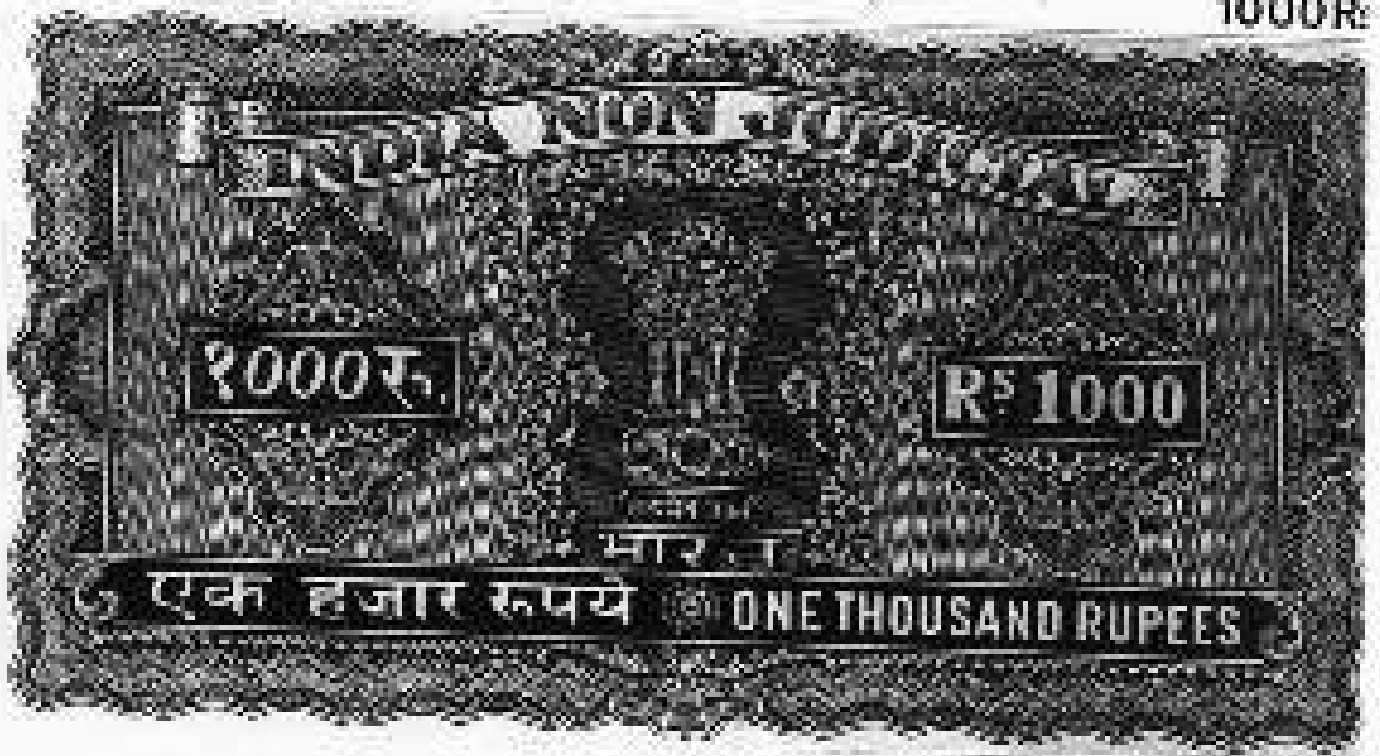
परिशिष्ट : भुगतान विवरण

विक्रेतागण ने रु 14,32,905/- (छह लाख बीस हजार नौ सौ पचास मात्र) नगद व रु 3,00,000/- (तीस

लाख बीस हजार नौ सौ पचास मात्र) नगद व रु 3,00,000/- (तीस



1000R



- 12 -

ही पूर्व जेला से प्राप्त विने, इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य
विक्रेतागण को रु० 17,32,905/- (सत्रह लाख बत्तीस हजार नौ
सौ पचास रुपया) जेला से प्राप्त हुए तथा विस्वकी प्राप्ति विक्रेतागण
स्वीकार करते हैं।

लिखता यह विमान पर हम विक्रेतागण ने जेला के पक्ष में
समक्ष गवाहान बिना किसी जोर बचाव के, व स्वस्थ चित्त व मन

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the page, including a large circular stamp on the left and several smaller signatures and stamps on the right.

500 Rs



49

की दशा में लिख दिया ताकि सगद रहे

और आवश्यकता पड़ने पर काम आवे।

[illegible]

2. $\frac{1}{2} = \frac{1}{2} \times \frac{2}{2} = \frac{1 \times 2}{2 \times 2} = \frac{2}{4}$

संयोजक

दिनांक: 04.11.2004

मार्ग

S. H. Lloyd / Mrs. F. R. Lloyd
34 Oxford Avenue
(London)

2019

निर्देश: छात्रों को
प्रश्नों के उत्तर देने में
समय देना है।

दादपयसी

राम जगमो



विज्ञानमय

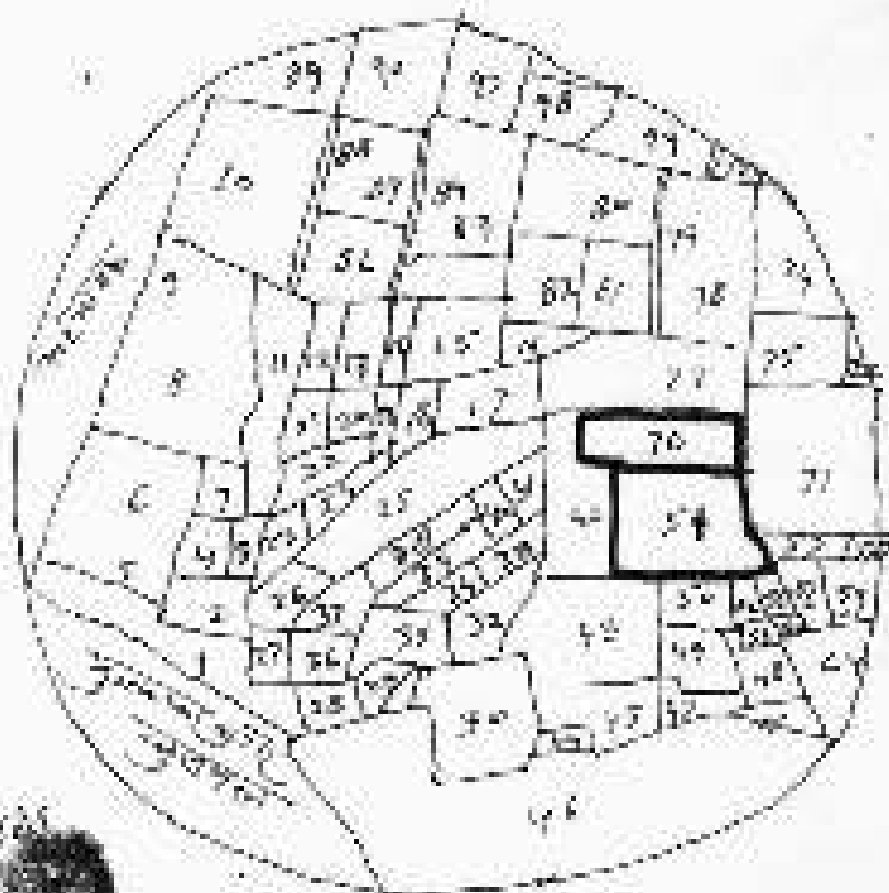


महाराष्ट्र

(विषय रमने तिहा)

एडमोपेट

मान, बसुध नगर उर्फ मलिया मक, पटना विभाग
 पहली बार २० गेहूँ लागाने



मान, बसुध नगर

पहली बार

पहली बार

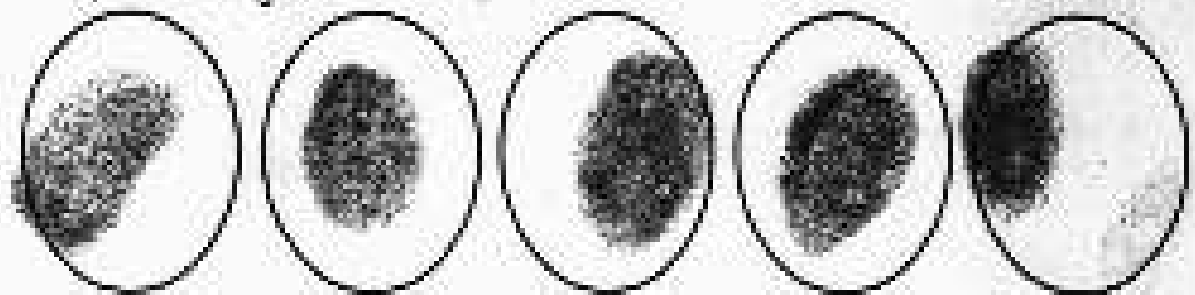
पहली बार

पहली बार

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन
हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

प्रत्युत्कर्षा/विकेता का नाम व पता : श्री मी. सी. न. सि. कृष्ण कृष्ण

बाएं हाथ के अंगुलियों के चित्र :

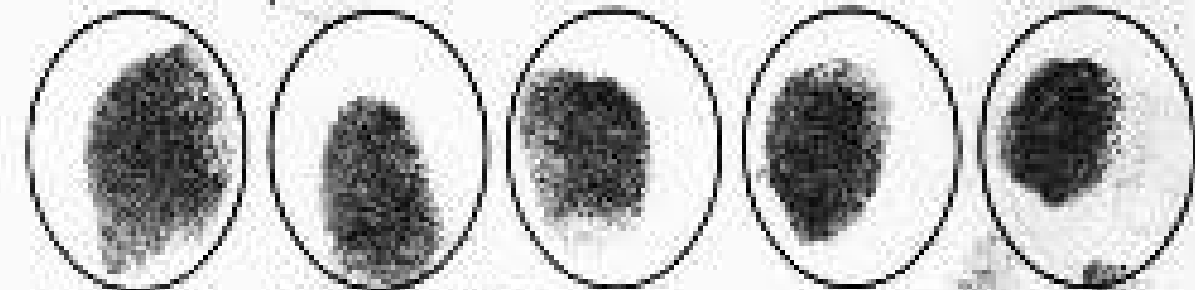


दाहिने हाथ के अंगुलियों के चित्र :



प्रत्युत्कर्षा/विकेता का नाम व पता : श्री मी. सी. न. सि. कृष्ण कृष्ण क हस्ताक्षर

बाएं हाथ के अंगुलियों के चित्र :



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चित्र :

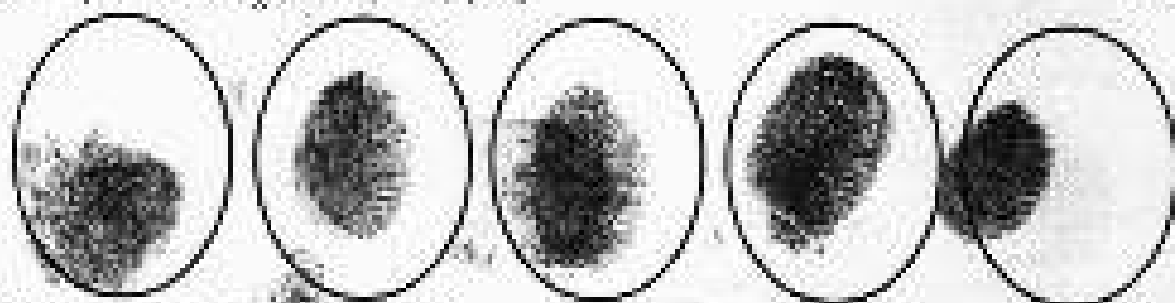


प्रत्युत्कर्षा/विकेता का नाम व पता : श्री मी. सी. न. सि. कृष्ण कृष्ण

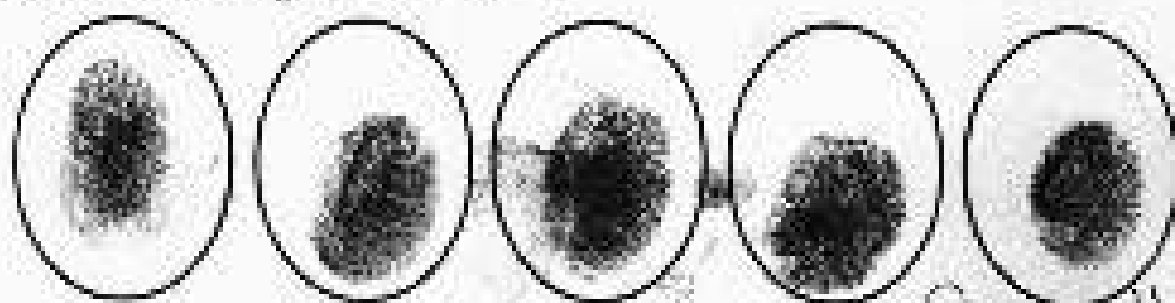
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता : श्री श्री हिन्दूजी - 23 फरवरी

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

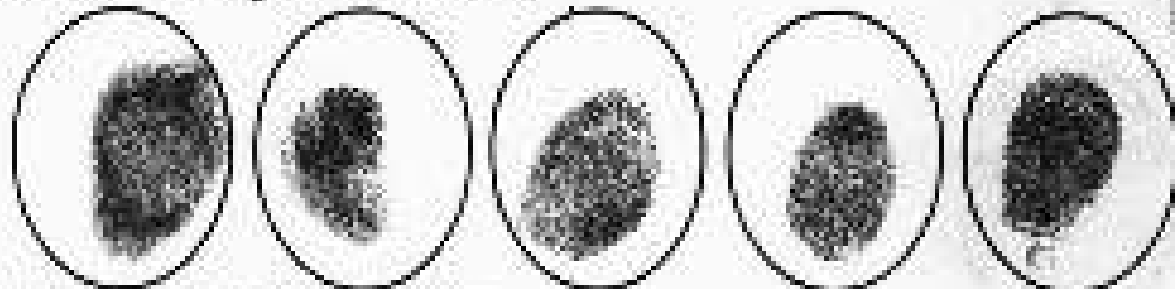


दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

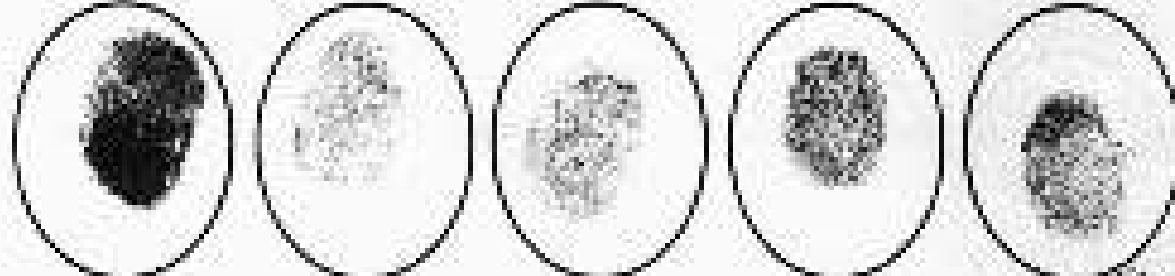


प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता : श्री श्री हिन्दूजी - 23 फरवरी

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :



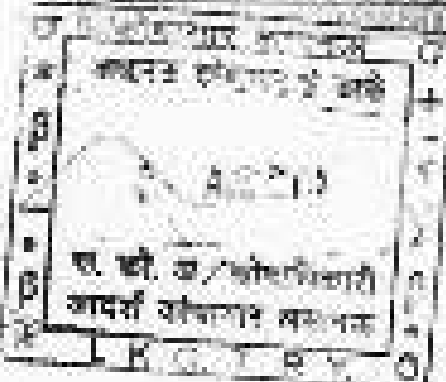
दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :



विक्रेता/अंतिम - श्री श्री हिन्दूजी

07/11/32

7520/54



0300 203994



मिळव मूल्य : रु० 17,33,505/-
अंतिम खनसाली: रु० 8,00,000/-
सामा शुल्क : रु० 69,500/-
परगना : मिलनीर

विक्रय अनुबन्ध पत्र

यह अनुबन्ध पत्र श्री पूर्वी दीन, गोमी लाल पुत्रगण गितई, व
मापी पुत्र नुद्ध, मेरुई पुत्र झाक, निवासीगण ग्राम-कुसुम नगर,
पेलाना-बिजनौर, ताहसील व जिला- लखनऊ, जिसे आगे प्रथम
पक्ष कहा जायेगा स्वयं वेवली दास, एण्ड इस्टेट प्राईवेट
लिमिटेड के माध्यम से विक्रय के लिये निम्नलिखित

निम्नलिखित

Devi Tower & Estate Co. Ltd.

Dr. G. M. Chandra



Figure 1. Schematic diagram of the experimental setup. The subject is seated in a chair and views the screen through a video camera. The screen displays the target and the starting position of the hand. The hand is moved from the starting position to the target position. The video camera records the hand position and the target position. The video camera is connected to a computer which controls the video camera and the screen.

10/10/2019 10:10:10 AM



Mr. C. J. ...

THE

2003-2004

$50000 \times 17.329\%$
 $\frac{8664.5}{100} = 86.645$
 $50000 - 86.645 = 49913.355$
 $49913.355 \times 17.329\%$
 $\frac{8628.5}{100} = 86.285$
 $49913.355 - 86.285 = 49827.07$
 $49827.07 \times 17.329\%$
 $\frac{8602.5}{100} = 86.025$
 $49827.07 - 86.025 = 49741.045$
 $49741.045 \times 17.329\%$
 $\frac{8577.0}{100} = 85.77$
 $49741.045 - 85.77 = 49655.275$
 $49655.275 \times 17.329\%$
 $\frac{8551.5}{100} = 85.515$
 $49655.275 - 85.515 = 49569.76$
 $49569.76 \times 17.329\%$
 $\frac{8526.0}{100} = 85.26$
 $49569.76 - 85.26 = 49484.5$
 $49484.5 \times 17.329\%$
 $\frac{8500.5}{100} = 85.005$
 $49484.5 - 85.005 = 49399.495$
 $49399.495 \times 17.329\%$
 $\frac{8475.0}{100} = 84.75$
 $49399.495 - 84.75 = 49314.745$
 $49314.745 \times 17.329\%$
 $\frac{8449.5}{100} = 84.495$
 $49314.745 - 84.495 = 49230.25$
 $49230.25 \times 17.329\%$
 $\frac{8424.0}{100} = 84.24$
 $49230.25 - 84.24 = 49146.01$
 $49146.01 \times 17.329\%$
 $\frac{8398.5}{100} = 83.985$
 $49146.01 - 83.985 = 49062.025$
 $49062.025 \times 17.329\%$
 $\frac{8373.0}{100} = 83.73$
 $49062.025 - 83.73 = 48978.295$
 $48978.295 \times 17.329\%$
 $\frac{8347.5}{100} = 83.475$
 $48978.295 - 83.475 = 48894.82$
 $48894.82 \times 17.329\%$
 $\frac{8322.0}{100} = 83.22$
 $48894.82 - 83.22 = 48811.6$
 $48811.6 \times 17.329\%$
 $\frac{8296.5}{100} = 82.965$
 $48811.6 - 82.965 = 48728.635$
 $48728.635 \times 17.329\%$
 $\frac{8271.0}{100} = 82.71$
 $48728.635 - 82.71 = 48645.925$
 $48645.925 \times 17.329\%$
 $\frac{8245.5}{100} = 82.455$
 $48645.925 - 82.455 = 48563.47$
 $48563.47 \times 17.329\%$
 $\frac{8220.0}{100} = 82.2$
 $48563.47 - 82.2 = 48481.27$
 $48481.27 \times 17.329\%$
 $\frac{8194.5}{100} = 81.945$
 $48481.27 - 81.945 = 48399.325$
 $48399.325 \times 17.329\%$
 $\frac{8169.0}{100} = 81.69$
 $48399.325 - 81.69 = 48317.635$
 $48317.635 \times 17.329\%$
 $\frac{8143.5}{100} = 81.435$
 $48317.635 - 81.435 = 48236.2$
 $48236.2 \times 17.329\%$
 $\frac{8118.0}{100} = 81.18$
 $48236.2 - 81.18 = 48155.02$
 $48155.02 \times 17.329\%$
 $\frac{8092.5}{100} = 80.925$
 $48155.02 - 80.925 = 48074.095$
 $48074.095 \times 17.329\%$
 $\frac{8067.0}{100} = 80.67$
 $48074.095 - 80.67 = 47993.425$
 $47993.425 \times 17.329\%$
 $\frac{8041.5}{100} = 80.415$
 $47993.425 - 80.415 = 47913.01$
 $47913.01 \times 17.329\%$
 $\frac{8016.0}{100} = 80.16$
 $47913.01 - 80.16 = 47832.85$
 $47832.85 \times 17.329\%$
 $\frac{7990.5}{100} = 79.905$
 $47832.85 - 79.905 = 47752.945$
 $47752.945 \times 17.329\%$
 $\frac{7965.0}{100} = 79.65$
 $47752.945 - 79.65 = 47673.295$
 $47673.295 \times 17.329\%$
 $\frac{7939.5}{100} = 79.395$
 $47673.295 - 79.395 = 47593.9$
 $47593.9 \times 17.329\%$
 $\frac{7914.0}{100} = 79.14$
 $47593.9 - 79.14 = 47514.76$
 $47514.76 \times 17.329\%$
 $\frac{7888.5}{100} = 78.885$
 $47514.76 - 78.885 = 47435.875$
 $47435.875 \times 17.329\%$
 $\frac{7863.0}{100} = 78.63$
 $47435.875 - 78.63 = 47357.245$
 $47357.245 \times 17.329\%$
 $\frac{7837.5}{100} = 78.375$
 $47357.245 - 78.375 = 47278.87$
 $47278.87 \times 17.329\%$
 $\frac{7812.0}{100} = 78.12$
 $47278.87 - 78.12 = 47199.75$
 $47199.75 \times 17.329\%$
 $\frac{7786.5}{100} = 77.865$
 $47199.75 - 77.865 = 47121.885$
 $47121.885 \times 17.329\%$
 $\frac{7761.0}{100} = 77.61$
 $47121.885 - 77.61 = 47044.275$
 $47044.275 \times 17.329\%$
 $\frac{7735.5}{100} = 77.355$
 $47044.275 - 77.355 = 46966.92$
 $46966.92 \times 17.329\%$
 $\frac{7710.0}{100} = 77.1$
 $46966.92 - 77.1 = 46889.82$
 $46889.82 \times 17.329\%$
 $\frac{7684.5}{100} = 76.845$
 $46889.82 - 76.845 = 46812.975$
 $46812.975 \times 17.329\%$
 $\frac{7659.0}{100} = 76.59$
 $46812.975 - 76.59 = 46736.385$
 $46736.385 \times 17.329\%$
 $\frac{7633.5}{100} = 76.335$
 $46736.385 - 76.335 = 46659.05$
 $46659.05 \times 17.329\%$
 $\frac{7608.0}{100} = 76.08$
 $46659.05 - 76.08 = 46582.97$
 $46582.97 \times 17.329\%$
 $\frac{7582.5}{100} = 75.825$
 $46582.97 - 75.825 = 46507.145$
 $46507.145 \times 17.329\%$
 $\frac{7557.0}{100} = 75.57$
 $46507.145 - 75.57 = 46431.575$
 $46431.575 \times 17.329\%$
 $\frac{7531.5}{10$

2019/10/10

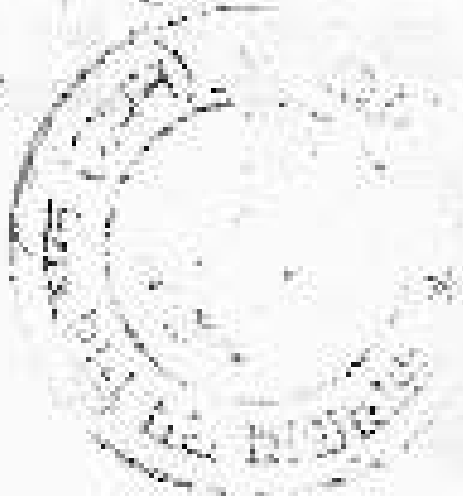
globally

श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे

24

1. Explain the importance of the following factors in the selection of a site for a new business:
 a. Location
 b. Proximity to customers
 c. Proximity to suppliers
 d. Proximity to competitors
 e. Proximity to transportation
 f. Proximity to labor
 g. Proximity to government
 h. Proximity to utilities
 i. Proximity to other businesses
 j. Proximity to schools
 k. Proximity to parks
 l. Proximity to shopping centers
 m. Proximity to entertainment centers
 n. Proximity to religious centers
 o. Proximity to medical centers
 p. Proximity to government offices
 q. Proximity to public transportation
 r. Proximity to highways
 s. Proximity to airports
 t. Proximity to seaports
 u. Proximity to railroads
 v. Proximity to bus lines
 w. Proximity to parking areas
 x. Proximity to public facilities
 y. Proximity to private facilities
 z. Proximity to public safety
 aa. Proximity to public health
 ab. Proximity to public education
 ac. Proximity to public recreation
 ad. Proximity to public services
 ae. Proximity to public utilities
 af. Proximity to public transportation
 ag. Proximity to public highways
 ah. Proximity to public airports
 ai. Proximity to public seaports
 aj. Proximity to public railroads
 ak. Proximity to public bus lines
 al. Proximity to public parking areas
 am. Proximity to public facilities
 an. Proximity to private facilities
 ao. Proximity to public safety
 ap. Proximity to public health
 aq. Proximity to public education
 ar. Proximity to public recreation
 as. Proximity to public services
 at. Proximity to public utilities
 au. Proximity to public transportation
 av. Proximity to public highways
 aw. Proximity to public airports
 ax. Proximity to public seaports
 ay. Proximity to public railroads
 az. Proximity to public bus lines
 ba. Proximity to public parking areas
 bb. Proximity to public facilities
 bc. Proximity to private facilities
 bd. Proximity to public safety
 be. Proximity to public health
 bf. Proximity to public education
 bg. Proximity to public recreation
 bh. Proximity to public services
 bi. Proximity to public utilities
 bj. Proximity to public transportation
 bk. Proximity to public highways
 bl. Proximity to public airports
 bm. Proximity to public seaports
 bn. Proximity to public railroads
 bo. Proximity to public bus lines
 bp. Proximity to public parking areas
 bq. Proximity to public facilities
 br. Proximity to private facilities
 bs. Proximity to public safety
 bt. Proximity to public health
 bu. Proximity to public education
 bv. Proximity to public recreation
 bw. Proximity to public services
 bx. Proximity to public utilities
 by. Proximity to public transportation
 bz. Proximity to public highways
 ca. Proximity to public airports
 cb. Proximity to public seaports
 cc. Proximity to public railroads
 cd. Proximity to public bus lines
 ce. Proximity to public parking areas
 cf. Proximity to public facilities
 cg. Proximity to private facilities
 ch. Proximity to public safety
 ci. Proximity to public health
 cj. Proximity to public education
 ck. Proximity to public recreation
 cl. Proximity to public services
 cm. Proximity to public utilities
 cn. Proximity to public transportation
 co. Proximity to public highways
 cp. Proximity to public airports
 cq. Proximity to public seaports
 cr. Proximity to public railroads
 cs. Proximity to public bus lines
 ct. Proximity to public parking areas
 cu. Proximity to public facilities
 cv. Proximity to private facilities
 cw. Proximity to public safety
 cx. Proximity to public health
 cy. Proximity to public education
 cz. Proximity to public recreation
 da. Proximity to public services
 db. Proximity to public utilities
 dc. Proximity to public transportation
 dd. Proximity to public highways
 de. Proximity to public airports
 df. Proximity to public seaports
 dg. Proximity to public railroads
 dh. Proximity to public bus lines
 di. Proximity to public parking areas
 dj. Proximity to public facilities
 dk. Proximity to private facilities
 dl. Proximity to public safety
 dm. Proximity to public health
 dn. Proximity to public education
 do. Proximity to public recreation
 dp. Proximity to public services
 dq. Proximity to public utilities
 dr. Proximity to public transportation
 ds. Proximity to public highways
 dt. Proximity to public airports
 du. Proximity to public seaports
 dv. Proximity to public railroads
 dw. Proximity to public bus lines
 dx. Proximity to public parking areas
 dy. Proximity to public facilities
 dz. Proximity to private facilities
 ea. Proximity to public safety
 eb. Proximity to public health
 ec. Proximity to public education
 ed. Proximity to public recreation
 ee. Proximity to public services
 ef. Proximity to public utilities
 eg. Proximity to public transportation
 eh. Proximity to public highways
 ei. Proximity to public airports
 ej. Proximity to public seaports
 ek. Proximity to public railroads
 el. Proximity to public bus lines
 em. Proximity to public parking areas
 en. Proximity to public facilities
 eo. Proximity to private facilities
 ep. Proximity to public safety
 eq. Proximity to public health
 er. Proximity to public education
 es. Proximity to public recreation
 et. Proximity to public services
 eu. Proximity to public utilities
 ev. Proximity to public transportation
 ew. Proximity to public highways
 ex. Proximity to public airports
 ey. Proximity to public seaports
 ez. Proximity to public railroads
 fa. Proximity to public bus lines
 fb. Proximity to public parking areas
 fc. Proximity to public facilities
 fd. Proximity to private facilities
 fe. Proximity to public safety
 ff. Proximity to public health
 fg. Proximity to public education
 fh. Proximity to public recreation
 fi. Proximity to public services
 fj. Proximity to public utilities
 fk. Proximity to public transportation
 fl. Proximity to public highways
 fm. Proximity to public airports
 fn. Proximity to public seaports
 fo. Proximity to public railroads
 fp. Proximity to public bus lines
 fq. Proximity to public parking areas
 fr. Proximity to public facilities
 fs. Proximity to private facilities
 ft. Proximity to public safety
 fu. Proximity to public health
 fv. Proximity to public education
 fw. Proximity to public recreation
 fx. Proximity to public services
 fy. Proximity to public utilities
 fz. Proximity to public transportation
 ga. Proximity to public highways
 gb. Proximity to public airports
 gc. Proximity to public seaports
 gd. Proximity to public railroads
 ge. Proximity to public bus lines
 gf. Proximity to public parking areas
 gg. Proximity to public facilities
 gh. Proximity to private facilities
 gi. Proximity to public safety
 gj. Proximity to public health
 gk. Proximity to public education
 gl. Proximity to public recreation
 gm. Proximity to public services
 gn. Proximity to public utilities
 go. Proximity to public transportation
 gp. Proximity to public highways
 gq. Proximity to public airports
 gr. Proximity to public seaports
 gs. Proximity to public railroads
 gt. Proximity to public bus lines
 gu. Proximity to public parking areas
 gv. Proximity to public facilities
 gw. Proximity to private facilities
 gx. Proximity to public safety
 gy. Proximity to public health
 gz. Proximity to public education
 ha. Proximity to public recreation
 hb. Proximity to public services
 hc. Proximity to public utilities
 hd. Proximity to public transportation
 he. Proximity to public highways
 hf. Proximity to public airports
 hg. Proximity to public seaports
 hh. Proximity to public railroads
 hi. Proximity to public bus lines
 hj. Proximity to public parking areas
 hk. Proximity to public facilities
 hl. Proximity to private facilities
 hm. Proximity to public safety
 hn. Proximity to public health
 ho. Proximity to public education
 hp. Proximity to public recreation
 hq. Proximity to public services
 hr. Proximity to public utilities
 hs. Proximity to public transportation
 ht. Proximity to public highways
 hu. Proximity to public airports
 hv. Proximity to public seaports
 hw. Proximity to public railroads
 hx. Proximity to public bus lines
 hy. Proximity to public parking areas
 hz. Proximity to public facilities
 ia. Proximity to private facilities
 ib.

मूल की न के मान लिए (निष्ठा न भव) देना है ही / विष्णु ३४

[illegible]

आदर्श कोषागार, बरकला

977

निर्देशक श्री श्री श्री
पुस्तक श्री श्री श्री
काल श्री श्री श्री
रूप श्री श्री श्री

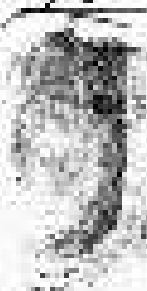
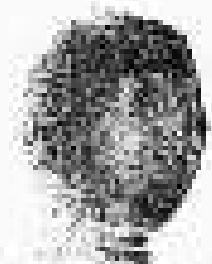
Handwritten signature

श्री श्री श्री

श्री श्री श्री

श्री श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री

श्री श्री श्री



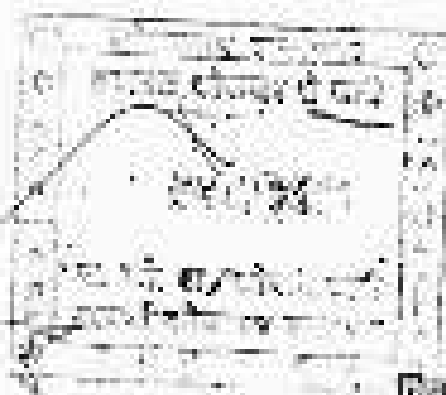
श्री श्री श्री

श्री श्री श्री

5000Rs.



104180



विवरण परिशिष्ट में दिया गया है प्रथम पक्ष का नाम राजस्व अभिलेखा में दर्ज है। नगर महापालिका लखनऊ की परिधि में नहीं आता है तथा विज्ञेता यह भी घोषणा करता है कि सम्पत्ति समस्त प्रकार के भारों, दायित्वों से मुक्त है।

जो कि विज्ञेता प्रथम पक्ष सम्पत्ति व्यतीका को द्वितीय पक्ष को विज्ञेता करना चाहता है तथा द्वितीय पक्ष भी सम्पत्ति को ग्रहण करने का इच्छुक है। किन्तु विज्ञेता प्रथम पक्ष अनुसूचित जाति का सदस्य है इसलिए भूमि का अन्तर्गत समस्त अधिकारी की अनुमति बिना समस्त नहीं हो सकता इसलिए

मि. 100/1 मि. 100/1 मि. 100/1

मि. 100/1

Delhi Town & Enclaves P. Ltd.

Dr. G. N. Project

5000Rs.



165629

विशेषता प्रथम पक्ष ने सम्पत्ति उपरोक्त के अन्तरण की अनुमति नीचे दिये नियत समय में अपने स्वर्ण पर द्वितीय पक्ष को लाकर देने का वादा किया है।

जो कि प्रथम पक्ष के उपरोक्त आश्वासन पर कि वह नियत समय पर अनुमति लावाए देगा, उपरोक्त सम्पत्ति को रुपये 17,32,905/- में बिक्री करना तय किया है जो कि विशेषता प्रथम पक्ष को भी मान्य है। दोनों पक्ष निम्न शर्तों पर निरुद्ध अनुबन्ध करने को तैयार है।

मि. का. शहीदीन मि. क. बी. बी. बी.

मि. का. शहीदीन

165629

Debi Finance & Savings Co., Ltd.
Dr. G. N. Bhowmik

5000Rs



164188



- 5 -

अतः यह निम्न अनुक्रम पत्र निम्न शर्तों का साक्ष्य है :-

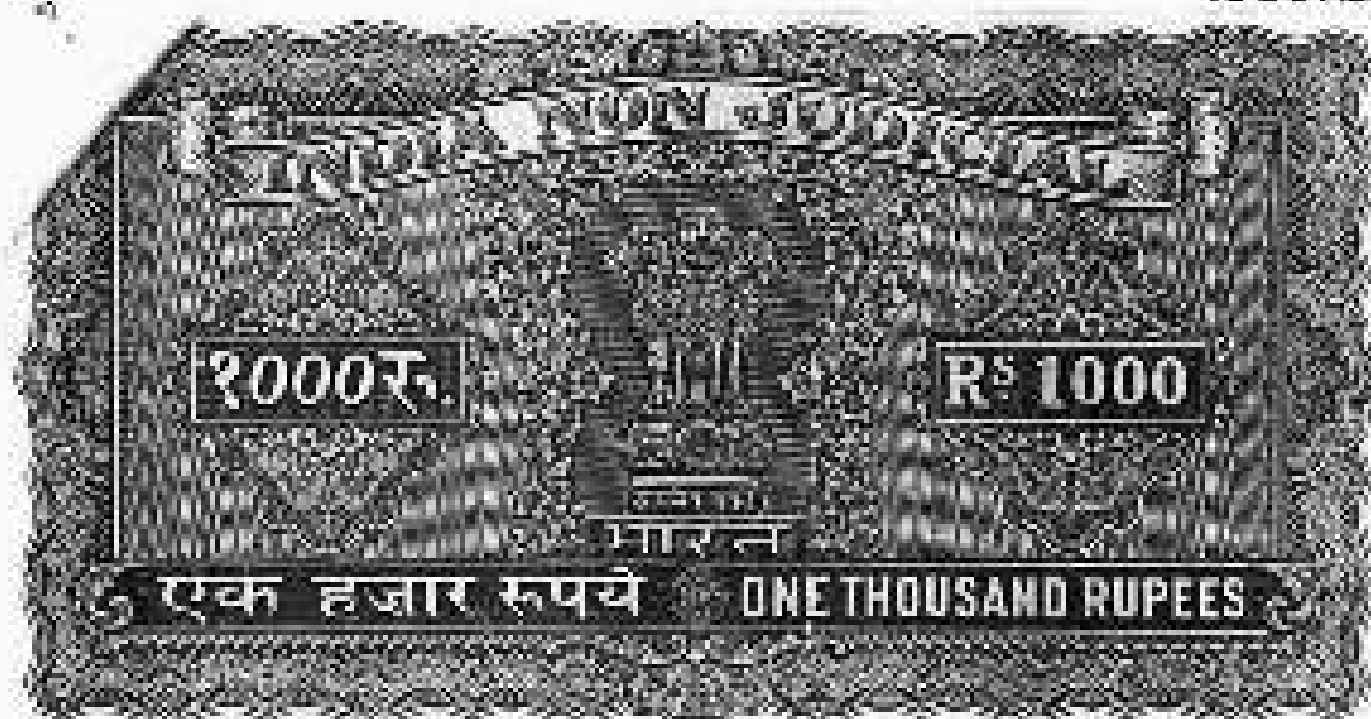
1. यह कि विक्रेता प्रथम पक्ष सम्पत्ति की निम्न धनराशि रु० 17,32,905/- में बेचना चाहता है तथा द्वितीय पक्ष ने स्वीकार किया कि प्रथम पक्ष को नीचे दी गयी परिशिष्ट अनुसार दे दिया है जिसे विक्रेता प्रथम पक्ष स्वीकार करता है। जब विक्रेता प्रथम पक्ष जमीन बेचने की अनुमति लेकर देगा तो उक्त सम्पत्ति द्वितीय पक्ष शेष धनराशि बिक्रय मिलेख के समस्त विक्रेता प्रथम पक्ष को देगा। प्रथम पक्ष को कोई भुगतान नहीं होगी।

Handwritten signatures and text in Hindi, including 'विक्रेता' (Seller) and 'खरीदार' (Buyer).

Handwritten signature.

Delhi Tenders & Auctions Ltd.
By O. M. Prasad

1000Rs



-6-

2. यह कि विज्ञेता प्रथम पक्ष सम्पत्ति से सम्बन्धित उत्तम स्वामित्व के कागजात जैसे असरा जिसमें उत्तम नाम दर्ज हो, प्रथम पक्ष का नाम दर्ज होने के पूर्व के मालिक का नाम साठ-क लक्ष की प्रति, छत्तीसी, किराना नही, जग भाद कुल प्रमाण पत्र, अवयस्क का दावा न होने का प्रमाण पत्र, जमाना से एसित न होने का प्रमाण पत्र आदि को जितना अनुबन्ध से 10 दिनों के अन्दर लायन्ट देगा। स्वामित्व के कागजात प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष को इस अनुबन्ध के समर्थ दिये हैं।

निर्वाहक

1000-4-1000

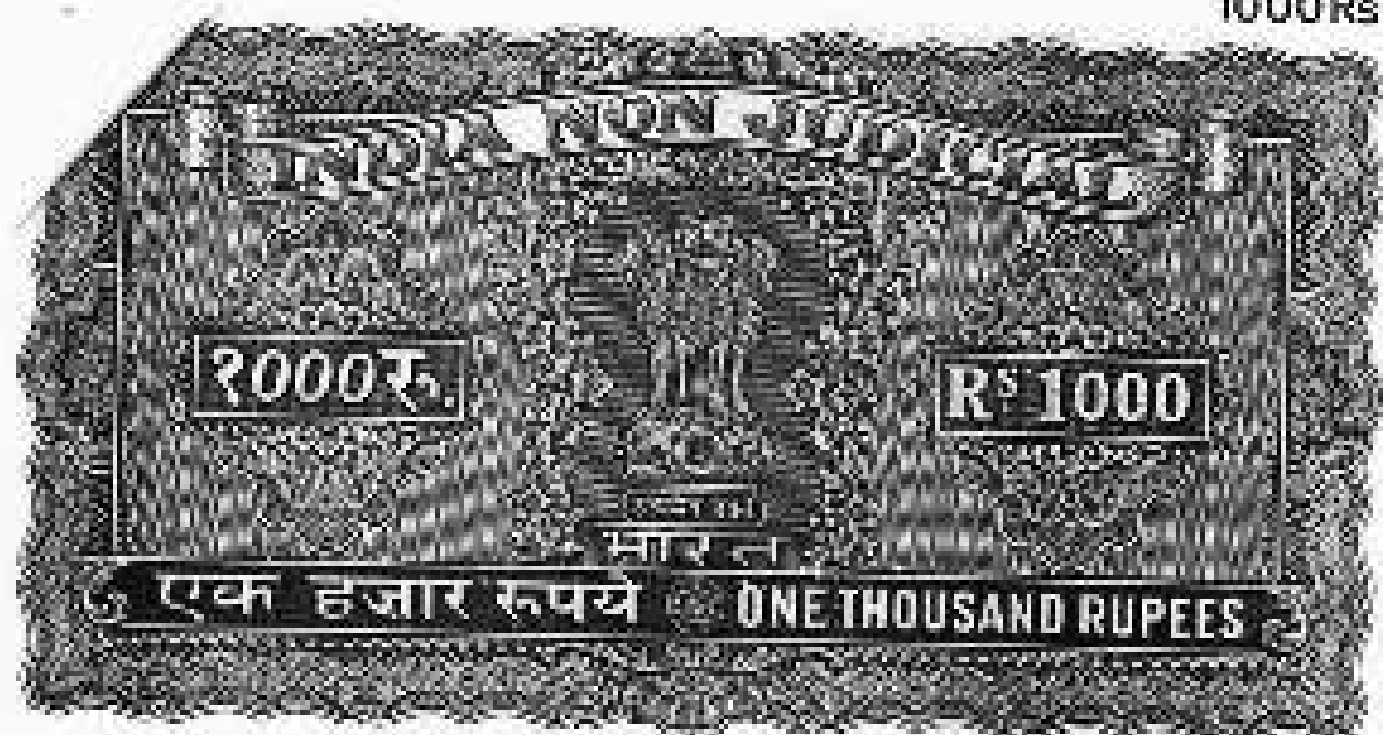
दिनांक 10/10/19

1000-4-1000

Devi Laxmi & Co. 10-10-19

Dr. G. M. Prasad

1000Rs.



3. यह कि विद्येता प्रथम पक्ष को अन्तरण योग्य बनाने के लिए जिलाधिकारी से सेवने की परगीशन इस विक्रय अनुबन्ध पत्र के निष्पादन से तीन माह के भीतर ला कर देगा तथा उसके एक सप्ताह के भीतर विक्रय पत्र निष्पादित करवा लेगा।
4. यह कि सम्पत्ति ऊरोयत किसी प्रकार की सरकारी, गैरसरकारी अदालती कार्यवाही में सम्मिलित नहीं है और किसी अन्य व्यक्ति या आवरक आदि का इस पर दावा नहीं है। अगर इस सम्पत्ति पर किसी प्रकार का कोई विवाद उत्पन्न होता है तो विद्येता प्रथम पक्ष से उत्पन्न

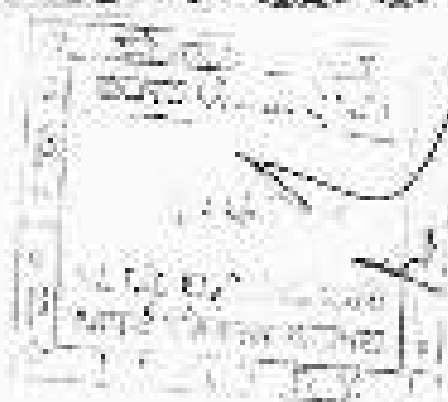
12/05/2018 12/05/2018

12/05/2018

12/05/2018

Delhi Trusts & Savings, Ltd.
Dr. G. K. (Project)

1000Rs.



नामित व्यक्ति जिसने विक्रेता प्रथम पक्ष की जिम्मेदारी ली है, जिम्मेदार होगा तथा द्वितीय पक्ष को जो भी नुकसान होगा वह प्रथम पक्ष व नामित व्यक्ति या उसके वारिसों आदि से उसकी घल अघल सम्पत्ति से वसूल होगा। प्रथम पक्ष को कोई आपत्ति नहीं होगी।

5. यह कि सापत्ति जिसका कि अनुबन्ध हो रहा है वह पूर्ण रूपेण विक्रेता प्रथम पक्ष के अधिकार में है तथा इस पर किसी तरह का कोई नाम मात, जमानत, शिकमी

प्रमाणित है, 15/07/2018

प्रमाणित है

15/07/2018

Delhi Towers & Estate Pvt. Ltd.
Dr. G. N. Sharma

1000Rs.



विनायेदार आदि विजेता प्रथम पक्ष विकल्प पत्र द्वितीय पक्ष के पक्ष में निष्पादन तक नहीं करेगा।

6. यह कि सम्पत्ति उपरोक्त पर किसी तरह का विवाद, मार या अदालती कार्रवाई लायी जाती है तो विजेता प्रथम पक्ष न उसका नामित व्यक्ति हुए विकल्प अनुसूच के समस्त सर्व पक्ष बनाना सही द्वितीय पक्ष को देने के लिए बाध्य होगा।

7. यह कि अगर सम्पत्ति को स्वामित्व न अन्तर्गत सम्पत्ति सभी वागजात व परमीशन सही पाये जाती हैं और द्वितीय पक्ष

विजेता प्रथम पक्ष

विजेता प्रथम पक्ष

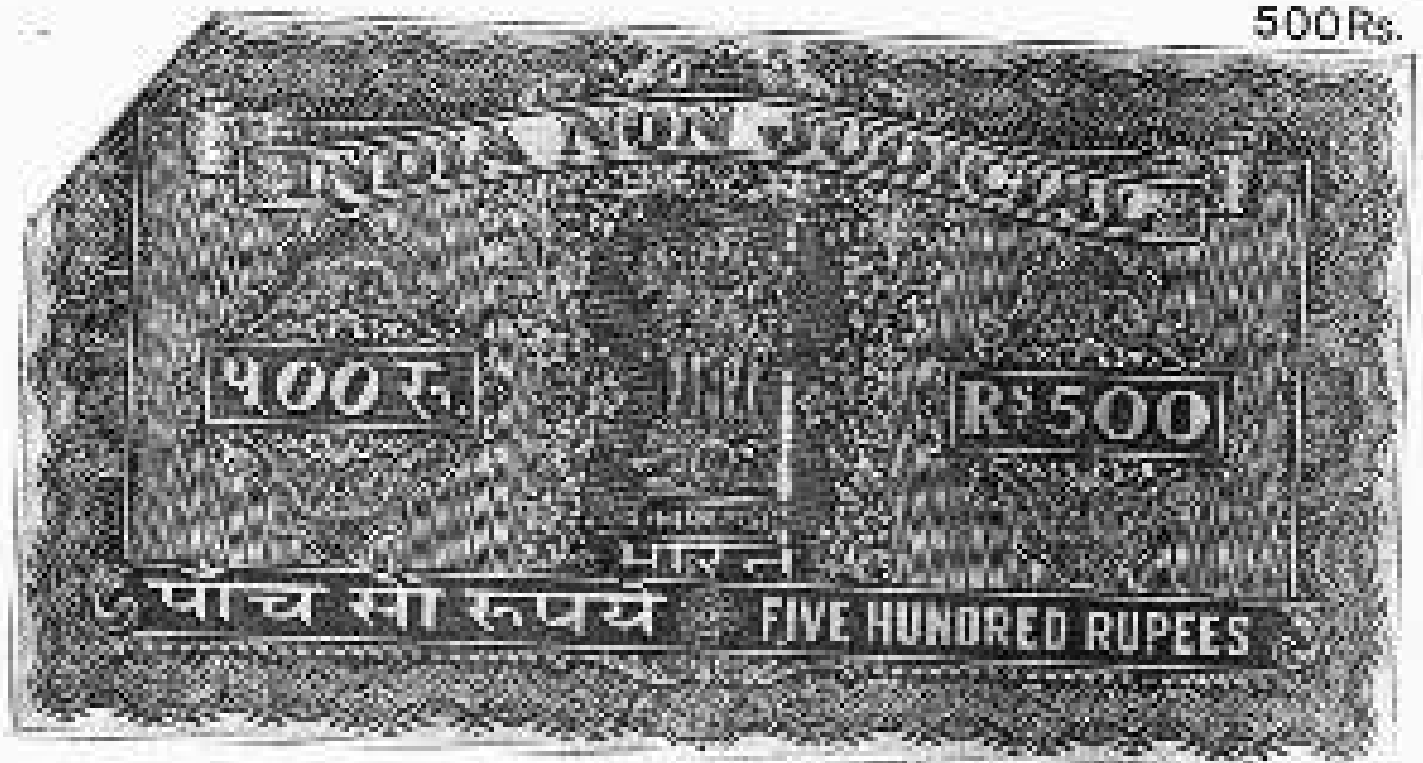
विजेता प्रथम पक्ष

विजेता प्रथम पक्ष

Debi Tower & Co. Ltd.

Dr. G. M. Dey

500Rs.



अपनामा न करता तो विक्रेता प्रथम पक्ष को अधिकार होगा कि वह अपना राशि सोल्व कर ले।

४. यह कि विक्रेता प्रथम पक्ष विवेक अनुमति प्राप्त करने के बाद अगर विक्रेता विलेख द्वितीय पक्ष को एक में नहीं करता है तो द्वितीय पक्ष को यह अधिकार होगा कि वह जस्टिस अदालत अपनामा अपने या अपने द्वारा नामित व्यक्ति या संस्था कम्पनी को एक में करता तो जो भी आवश्यकता करने में होगा वह विक्रेता प्रथम पक्ष को विवेक अनुरोधों या, बल अपल सम्पत्ति से लिया जायेगा।

15/12/2014

For and on behalf of *[Signature]* Delhi Towers & Estate Co., Ltd.
 By *[Signature]* Dy. G. M. (Project)

9. यह कि अगर विद्यमान पत्र से पूर्व सम्पत्ति किसी अविद्यमान योजना के अन्तर्गत आती है तो द्वितीय पक्ष विजेता प्रथम पक्ष से बचाना दारा वापस लेने का अधिकारी होगा।
10. यह कि इस विद्यमान अनुबन्ध पत्र के द्वारा सम्पत्ति का वसूला नहीं दिया जा रहा है।
11. विजेता प्रथम पक्ष व द्वितीय पक्ष से तात्पर्य है कि दोनों पक्षों के वास्तुमान, निष्पादकरण, नामित व्यक्ति, संयोजक आदि।

भुगतान परिशिष्टि

रु० 3,00,000/- (रुपया तीन लाख मात्र) द्वारा कैश आउट दिनांकित 27.08.2004 पंजाब नेशनल बैंक, लखनऊ, लखनऊ प्रथम पक्ष विजेता व द्वितीय पक्ष से प्राप्त किया।

चीकड़दी

खसरा संख्या-51, रकबा- 0.553, व सरसदा संख्या-75, रकबा-0.370 हेक्टेयर स्थित ग्राम- मुसफनगर एवं कलियामऊ, पटवना-फिजनीर, तहसील व जिला- लखनऊ की चीकड़दी निम्न है :-

खसरा संख्या-51, रकबा- 0.553 की चीकड़दी

ग्राम : खसरा संख्या-71, 57 व 58

परिचय- सरसदा संख्या-42

For the Plaintiff
[Signature]
[Stamp]

For the Defendant
[Signature]

Datta Traders & Co., Ltd.

[Signature]

उत्तर : खसरा संख्या-76

दक्षिण : खसरा संख्या- 50, 52, 55, 43

खसरा संख्या-76, खान्वा- 0.370 की चौकड़ी

पूरुब : खसरा संख्या-71

पश्चिम : खसरा संख्या- 42

उत्तर : खसरा संख्या-77

दक्षिण : खसरा संख्या- 51

सत्यनंद

दिनांक: 27.08.2004

गवाहाना

हैरो/प्रतिमा की
ऊँची छोट्टी विमा की
5-13 पाइप-कमाले में
की एक गेट खोला है

सत्यनंद के
Glowing House
के लिए

दाखिलता :

(राम रानेही)

कि 95 रुपये

विक्रय/प्रथम पक्ष

Dalvi Towers & E. P. Ltd.

जिला/दिल्ली के पक्ष

मुसादिकता

राज्य विधि विभाग

एडवोकेट

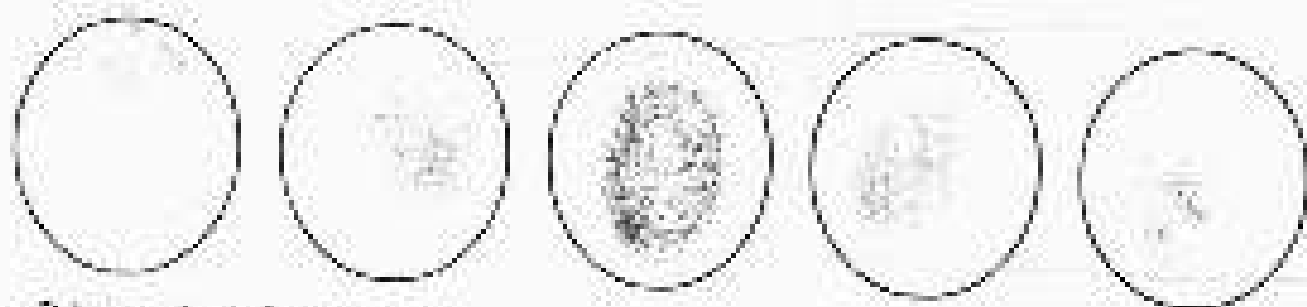
लोकप्रदेश अधिनियम 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हेतु
किंगडम प्रिन्स

अनुसूचित/विशेष नाम व पता :

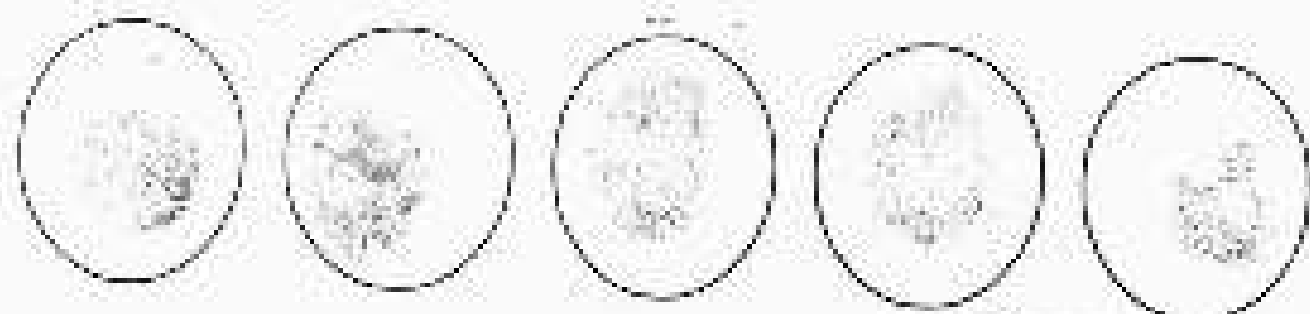
श्री श्री श्री

आपके हाथ के अंगुलियों के चिह्न :

अंगुली - बायाँ हाथ की अंगुली



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :



विशेष/अन्य नाम व पता :

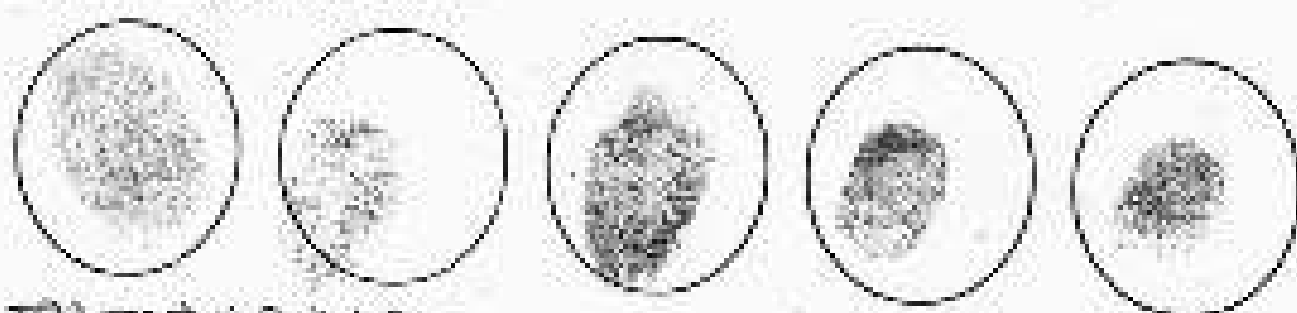
श्री श्री श्री

अनुसूचित/विशेष नाम व पता के अनुसार

1908 अधिनियम

आपके हाथ के अंगुलियों के चिह्न :

अंगुली - बायाँ हाथ की अंगुली



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिह्न :



विशेष/अन्य नाम व पता के अनुसार

1908 अधिनियम

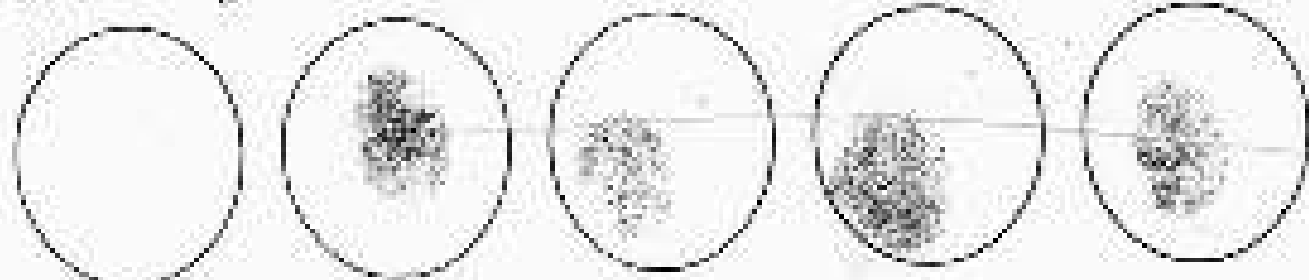
**श्रेष्ठान अधि० 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हेतु,
फिंगर्स प्रिंट्स**

जन्मस्थान/विलेज नाम व पता :-

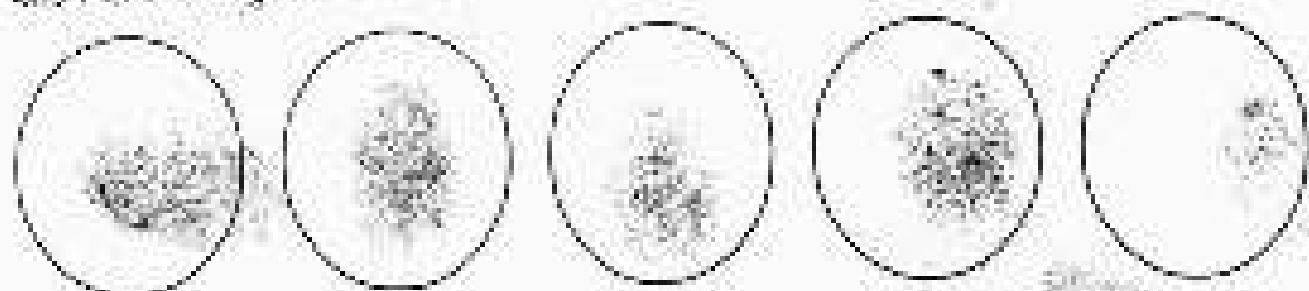
राहवा

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

उपनाम - बसिदा मल्ल लखन



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



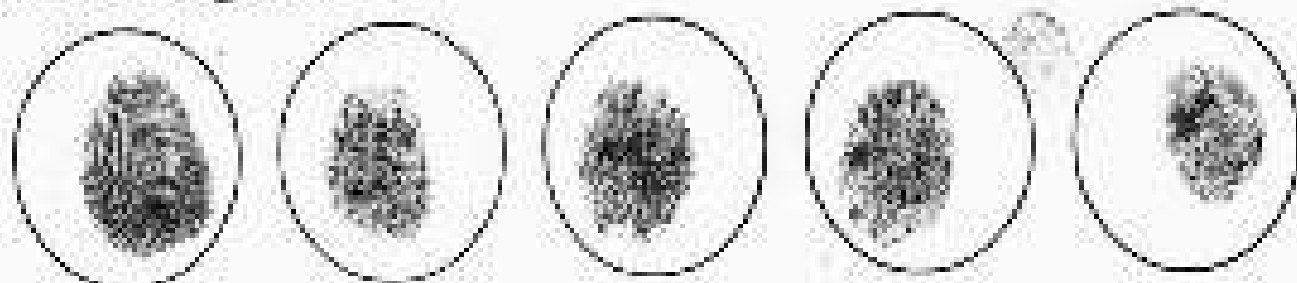
जन्मस्थान/विलेज/पेसा के हस्ताक्षर
बसिदा मल्ल लखन

विलेज/पेसा नाम व पता :-

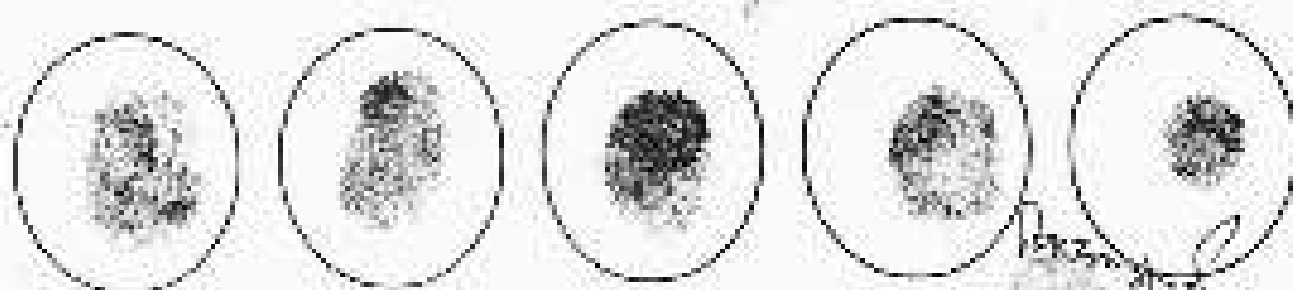
मेरठ

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

उपनाम - बसिदा मल्ल लखन



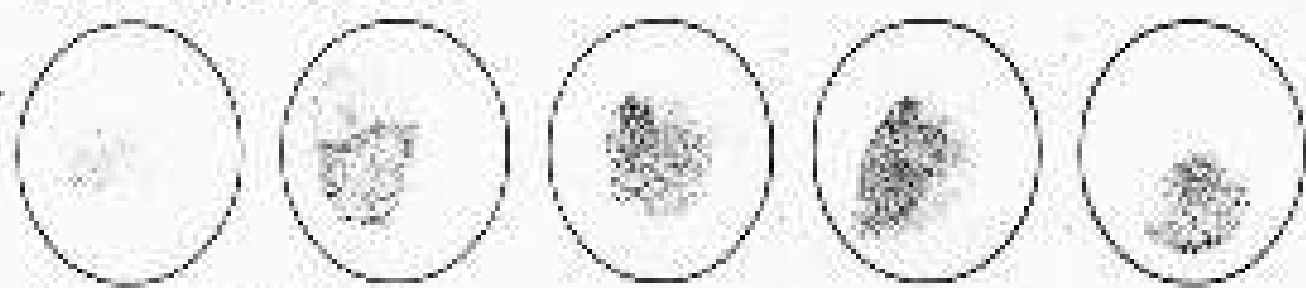
दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



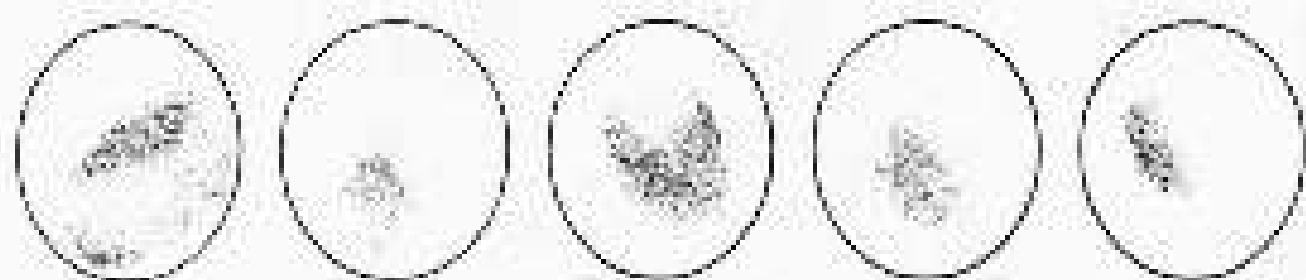
विलेज/पेसा के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रेशन अधि० 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हेतु,
फ़िगर्स प्रिन्ट्स

सहचरता/विहीनता नाम व पता - देवकी लक्ष्मी देवी, 19/10
राज्य राज्य के अधिनियम के दिनांक - 19/10/1908



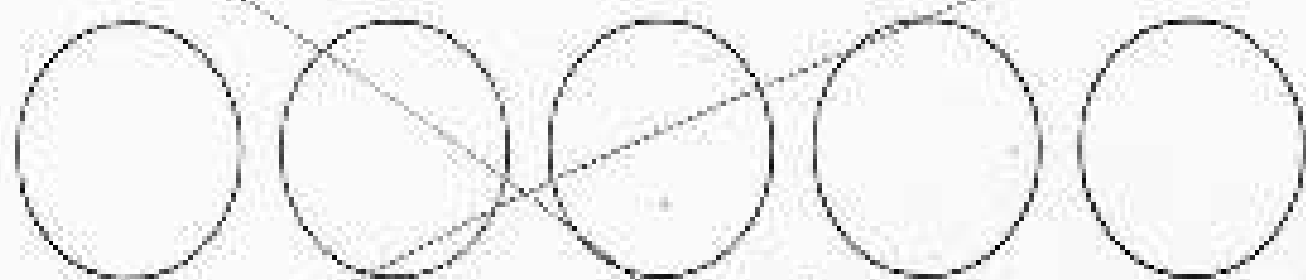
दाहिने हाथ के अंगुलिमों के दिनांक -



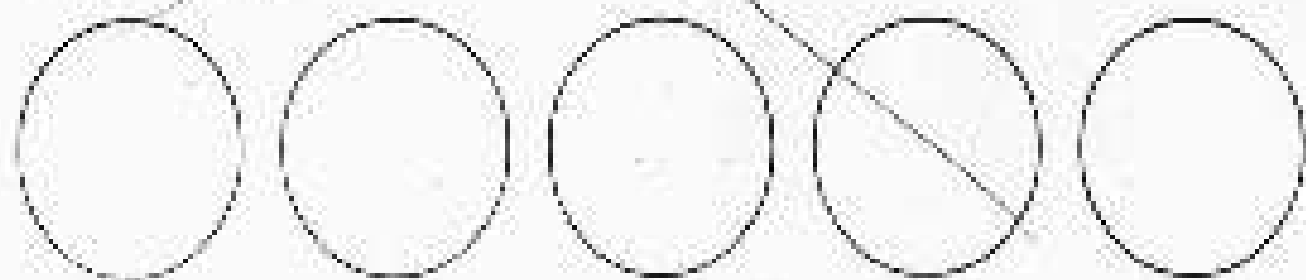
Devi Laxmi & Sons (P. Ltd.)
सहचरता/विहीनता/कोई भी हस्ताक्षर
By: G. M. (19/10/08)

विहीनता/लेता नाम व पता - _____

बायें हाथ के अंगुलिमों के दिनांक -



दाहिने हाथ के अंगुलिमों के दिनांक -



विहीनता/लेता के हस्ताक्षर

2/19/84 - 11:00
2/19/84 - 11:30
2/19/84 - 12:00

